राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 289 | जौनपुर | सोमवार, 09 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

जिला चिकित्सालय इमरजेंसी वार्ड मे डॉक्टर और स्टाफ से मारपीट, पुलिस छानबीन मे जुटी

अयोध्या। जिला अस्पताल के इमरजेंसी कक्ष में शनिवार की शाम विवाद के बाद बवाल हो गया।स्टाफ से हाथापाई,आभ्द्रता हुई तथा तोड़फोड़ की गई। पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हुआ है। प्रमुख अधीक्षक के माध्यम से डॉक्टर और स्टाफ ने तहरीर नगर कोतवाली पुलिस को दी है।शनिवार को रीडगंज क्षेत्र में कैंट थाना क्षेत्र के पलिया शाहबदी क्षेत्र का रहने वाला अयान पुत्र मेराज अहमद एक सड़क हादसे में घायल हो गया था। डॉ.आतिफ खान उसको लेकर जिला अस्पताल आए थे। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर दूसरे युवक को देख रहे थे। डॉक्टर आतिफ ने पहले अयान को देखने को कहा और इसी बात पर वाद–विवाद होने लगा।

एनडीए सरकार ने 11 वर्षों में महिला–नेतृत्व वाले विकास को नए सिरे से परिभाषित किया – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की कई पहलों ने किसानों की समृद्धि को बढ़ावा दिया है और कृषि के परिवर्तन को सुनिश्चित किया है, उन्होंने अपनी सरकार के "किसान समर्थक" कार्यक्रमों के दूरगामी प्रभाव को रेखांकित किया। अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ मनाने से एक दिन पहले, नरेंद्र मोदी ने रविवार (8 जून, 2025) को कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को फिर से परिभाषित किया है। नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनके कार्यकाल के पिछले 11 वर्षों के दौरान की गई पहलों से किसानों की समृद्धि बढ़ी है और कृषि क्षेत्र में समग्र बदलाव सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने वादा किया कि किसानों के कल्याण के लिए उनकी सरकार के प्रयास आने वाले समय में और अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरे होने से एक दिन पहले रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 11 साल के कार्यकाल में महिला नीत विकास को पुनरू परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और लोगों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने कई कल्याणकारी कार्यक्रमों का हवाला देते हुए कहा कि इनसे महिलाओं को काफी लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत

के माध्यम से गरिमा सुनिश्चित करने से लेकर जनधन खातों के जरिए वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां धुआं मुक्त रसोई प्रदान करते हुए उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर मिले, वहीं मुद्रा ऋण ने लाखों महिला उद्यमियों को खुद की शर्तों पर अपने सपने पूरे करने में सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर बने घरों ने भी उल्लेखनीय प्रभाव डाला है। मोदी ने कहा कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन की लौ जगाई। प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित उन पहलों संबंधी पोस्ट भी साझा किए जिनमें सरकारी योजनाओं द्वारा महिलाओं को दिए गए लाभों को सूचीबद्ध किया गया। इन पोस्ट में कहा गया है कि देश में जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2011–13 में प्रति लाख 167 से घटकर 2019–21 में प्रति लाख 93 हो गया और नल से जल प्राप्त करने वाले घरों की संख्या अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ से बढ़कर मई 2025 में 15.64 करोड़ हो गई। इनमें महिलाओं के लिए कई अन्य कल्याणकारी कदमों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक रसोई गैस कनेक्शन दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र में कोविड मामलों में फिर इजाफा, 86 नए संक्रमित मरीज मिले

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को कोविड–19 से जुड़ी ताजा स्थिति की जानकारी साझा की। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में आज 86 नए कोविड पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि हुई है, जिससे सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 595 हो गई है। अच्छी खबर यह है कि 749 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं, जिससे रिकवरी रेट में सुधार हुआ है। वहीं, जनवरी 2025 से अब तक राज्य में कोविड से कुल 18 मौतें दर्ज की जा चुकी हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, जनवरी से अब तक कुल 16,226 स्वैब सैंपलों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 1,362 सैंपल पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से 640 मामले केवल मुंबई से सामने आए हैं। शनिवार को मिले 86 नए मामलों में मुंबई से 28, पुणे से 33, ठाणे से छह, पीसीएमसी (पिंपरी– चिंचवड़) से सात, मीरा– भायंदर से दो, छत्रपति संभाजीनगर तथा नागपुर से तीन–तीन और सातारा तथा कोल्हापुर से एक–एक मरीज शामिल हैं।

उतर प्रदेश में कांग्रेस अकेले अपने दम पर लड़ेगी पंचायत चुनाव – अजय राय

उतर प्रदेश, एजेंसी। कांग्रेस की उतर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी पंचायत चुनाव अकेले अपने दम पर लडेगी। राय ने कहा कि हर 'बूथ' पर कार्यकर्ताओं को मजबूत किया जायेगा और 'हमारे जितने भी बहादूर साथी हैं, उन्हें पचायत चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा ,"जो साथी चुनाव जीतकर या ज्यादा से ज्यादा चुनाव जिताकर आयेंगे, उन्हे विधानसभा चुनाव मेंमौका दिया जाएगा। " यहां स्थानीय सांसद इमरान मसूद के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राय ने कहा , "हमारा कार्यकर्ता प्रदेश के बूथ पर काम करता है, जिले में और ब्लाक में काम करता है, उसे हम ताकतवर बनायेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में ताकघ्त दिखाने के बाद आगे की रणनीति राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा। उन्होने कहा,"आज मैं अपने लोकप्रिय सांसद बहादूर साथी इमरान मसूद जी को इद उल अजहा की दिली मुबारकबाद देने और उनकी मंगलकामना के लिये आया हूं।"प्रदेश अध्यक्ष ने कहा," हमें अपनी ताकत को और बढाना है अभी राहुल जी को लेकर प्रदेश में छह सांसद हैं और दो विधायक हैं,हमें और ताकत बढानी है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की यूरोप यात्रा पर, रणनीतिक संबंधों को मजबूत बनाने पर देंगे जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भारत की रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 8 से 14 जून तक फ्रांस, यूरोपीय संघ और बेल्जियम की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इसकी जानकारी दी। इस यात्रा का उद्देश्य मौजूदा संबंधों को और मजबूत करना और प्रमुख यूरोपीय साझेदारों के साथ भारत की भागीदारी को सुदृढ़ करना है। पेरिस और मार्सिले में जयशंकर फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन–नोएल बैरोट के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। फ्रांस में उनके कार्यक्रमों में वरिष्ठ नेतृत्व, थिंक टैंक और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी शामिल होंगी। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और फ्रांस ने रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। फ्रांस के साथ हमारे संबंध गहरे विश्वास और प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर दोनों देश समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। मार्सिले में जयशंकर भूमध्यसागरीय रायसीना वार्ता के उद्घाटन संस्करण में भाग लेंगे, जो इस क्षेत्र में रणनीतिक चर्चाओं के लिए एक नया मंच है। यात्रा के अगले चरण में जयशंकर यूरोपीय संघ के साथ उच्च स्तरीय वार्ता के लिए ब्रूसेल्स जाएंगे। वह यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि और उपाध्यक्ष काजा कालास के साथ रणनीतिक वार्ता करेंगे और यूरोपीय आयोग और यूरोपीय संसद के शीर्ष नेताओं से मिलेंगे। इस वर्ष के प्रारंभ में ईयू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की ऐतिहासिक भारत दौरे के बाद की जा रही यात्रा भारत–यूरोपीय संघ के संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत–यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है और इस वर्ष फरवरी में ईयू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की पहली भारत यात्रा से इसे और बढ़ावा मिला है। बेल्जियम में जयशंकर उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट के साथ द्विपक्षीय विचार–विमर्श करेंगे और अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। चर्चा संभवतः व्यापार और निवेश, हरित ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और हीरा क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित होगी। मंत्रालय ने कहा, ष्भारत–बेल्जियम के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं और दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी भी है। आज दोनों देशों के बीच सहयोग विभिन्न क्षेत्रों जैसे व्यापार और निवेश, हरित ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल, हीरा क्षेत्र और लोगों के बीच मजबूत संबंध तक फैला हुआ है। विदेश मंत्री बेल्जियम में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे और प्रवासी कूटनीति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे। इस यात्रा से यूरोपीय संघ, फ्रांस और बेल्जियम के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंधों को और गहरा करने के साथ ही विविध क्षेत्रों में चल रहे सहयोग को नई गति प्रदान करने की उम्मीद है।

नीतीश ने पुल के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज महात्मा गांधी सेतु के समानांतर गंगा नदी पर बनाये जा रहे 04 लेन पुल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी सेतु से होते हुये गंगा नदी के दक्षिणी छोर से लेकर गंगा नदी के उत्तरी छोर तक निर्माणाधीन पुल तथा एप्रोच पथ का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने हाजीपुर के सैफपुर में पाया नम्बर 9 के पास रूककर अधिकारियों से निर्माण कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि यह पुल 14.5 किलोमीटर लम्बा है। महात्मा गांधी सेतु के समानांतर बनाये जा रहे इस पुल का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। साथ ही दोनों तरफ 08 लेन का एप्रोच पथ भी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी सेतु के समानांतर इस निर्माणधीन फोरलेन पुल का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करें ताकि महात्मा गांधी सेतु पर अत्यधिक ट्रैफिक लोड के कारण लगनेवाले जाम से लोगों को राहत मिले। इस पुल के निर्माण से उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच यातायात व्यवस्था और सुगम हो जायेगी। मुजफ्फरपुर, सारण तथा वैशाली जिला की जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा और पटना पहुँचना आसान होगा। हम हमेशा इसके निर्माण कार्य को देखते रहे हैं। जल्द से जल्द इसका निर्माण कार्य पूर्ण करें। निरीक्षण के दौरान, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव डॉ० संदीप कुमार आर० पुडकलकट्टी, पटना के जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम०, वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार, वैशाली के पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

आतिशी ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर दिल्ली सरकार को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार कानून व्यवस्था को संभालने में फेल हुई है। दरअसल, दिल्ली में 9 साल की बच्ची का शव मिला है। आशंका जताई जा रही है कि उसके साथ रेप भी हुआ है। हालांकि, पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सारी तस्वीर साफ होगी। आतिशी ने रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि दिल्ली में चार इंजन की सरकार है। लेकिन, कानून व्यवस्था भगवान भरोसे हैं। जो घटना हमारे सामने आई है। इसने दिल्ली ही नहीं, देश भर के लोगों को झकझोर दिया है।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, एलजी इनके पास है। लेकिन, फिर भी दिल्ली में हमारी बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। जब दिल्ली में कोई चुनाव होता है तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रैली करने के लिए दिखाई देते हैं। लेकिन, जब इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं तो वह दिखाई नहीं देते हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री गायब हैं। लेकिन, भाजपा की दिल्ली सरकार को जवाब देना होगा। झुग्गियों पर हो रही तोड़फोड़ कार्रवाई को लेकर आतिशी ने कहा।

मध्य प्रदेश में पुलिस कांस्टेबल भर्ती में गड़बड़ी की जांच के निर्देश - मोहन यादव

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में आयोजित पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 चर्चाओं में है। इन परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी की जांच के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निर्देश जारी किए हैं। मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि पुलिस आरक्षक भर्ती–2023 की प्रक्रिया में फर्जीवाड़े एवं अनियमितता की सूचना मिलने पर उन्होंने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लिखा, इस प्रकार का आपराधिक कृत्य, जिनमें योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय होता है, मध्य प्रदेश में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा स्वतरू संज्ञान लेते हुए सभी सफल अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक डाटा और

आधार हिस्ट्री की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। प्रथम दृष्ट्या इम्परसोनेशन पाए जाने पर अभ्यर्थियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। दरअसल, राज्य में हुई पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां होने के आरोप लगे हैं। राज्य में पूर्व में भी आयोजित परीक्षाओं में गड़बड़ी सुर्खियों में रही। इतना ही नहीं, व्यावसायिक परीक्षा मंडल का घोटाला तो पूरे देश में चर्चाओं में रहा। यह ऐसा मामला है जिससे जुड़े 50 से ज्यादा लोगों तक की मौत हो चुकी है। इतना ही नहीं, कई राजनेताओं, अफसरों पर भी आंच आई और कई को तो जेल तक जाना पड़ा है।

मुख्यमंत्री यादव ने स्वयं इस मामले में पहल की है और जांच के आदेश दिए हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस पूरे मामले के दोषी पुलिस की गिरफ्त में होंगे और बेनकाब होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती घोटाले पर आरोप लगाया था कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग अब भ्रष्टाचार भर्ती विभाग बन गया है। कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सॉल्वर गैंग के माध्यम से फर्जी उम्मीदवारों को बैठाया गया।

भाजपा सरकार ने किसानों को धोखा दिया है - अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। समाज वादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने किसानों को धोखा दिया है। खेती का लागत मूल्य बढ़ता जा रहा है। खाद, बीज, पानी, कीटनाशक सब कुछ महंगा हो गया है। भाजपा सरकार धोखा देने में अव्वल है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था वो वादा भी पूरा नहीं हुआ है। यादव ने कहा कि इस सरकार में किसानों को खेती के कार्य के लिए बिजली नहीं मिल पा रही है। किसानों की मक्का और अन्य फसलों के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। फूलों की खेती भी सूख रही है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। खेती किसानी की दशा दिन–ब–दिन खराब होती जा रही है। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और भाजपा के नेता किसानों,

नौजवानों को भ्रमित करने और बरगलाने के लिए नये–नये बहाने गढ़ने में लगे रहते है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों के फसलों की खरीद नहीं हो रही है। फसलों की खरीद में भाजपा के लोगों ने भारी भ्रष्टाचार किया। धान, गेहूं खरीद में सरकारी धन का बंदरबांट हुआ। भारी भ्रष्टाचार हुआ है। भाजपा सरकार में योजनाओं में जमकर भ्रष्टाचार और लूट हुई है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में फसलों की लूट है। इस सरकार ने समाजवादी सरकार के दौरान बनाई जाने वाली मंडियों का काम रोक दिया। सरकार बिचौलियों और उद्योगपतियों के लिए फसलों की खरीद कर रही है। सरकारी खरीद नहीं हो रही है। भाजपा सरकार का एजेंडा उद्योगपतियों को लाभ दिलाने का रहता है। इनको किसानों से कोई मतलब नहीं है। यादव ने कहा कि इस सरकार में किसानों पर लगातार संकट बढ़ता जा रहा है। पूरी सरकार मक्का और अन्य फसलों के लिए सिर्फ ढिंढोरा पीट रही है। जमीन पर कोई काम नहीं किया। प्रदेश में बिजली का संकट है। मक्का किसानों को पानी के लिए बिजली नहीं मिल पा रही है। पानी नहीं मिलने से फसलें सूख रही है एक तरफ किसान की फसल सूख रही है। दूसरी तरफ छुट्टा और जंगली जानवर किसानों की फसलों को रौंद रहे हैं। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ डींगे मारने में लगी है। पिछले दस सालों में भाजपा सरकार किसानों से झूठ पर झूठ बोलती जा रही है। जनता सब समझ चुकी है। 2027 में किसान, नौजवान सभी मिलकर भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए संकल्पित है।

हम 243 सीट नहीं जीतेंगे, गलत आदमी को टिकट दूं तो वोट मत करना – प्रशांत किशोर

बिहार, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी किसी गलत आदमी को टिकट देती है तो उसे वोट मत करना। बिहार में बदलाव चाहिए, इसलिए विपक्षी दल का उम्मीदवार हमसे बेहतर है तो उसे जीताना। हमारी पार्टी बिहार की 243 सीट नहीं जीत सकती है। दरअसल, बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार में बदलाव के लिए बदलाव यात्रा निकाल रहे हैं। वह रविवार को बेगूसराय पहुंचेंगे, जहां जन अदालत लगाएंगे। बेगूसराय दौरे के दौरान प्रशांत किशोर बीहट मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे। इसके बाद वह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक करेंगे। लोगों के साथ वह आगामी चुनाव

और पार्टी की रणनीतियों को लेकर रूबरू होंगे। बेगूसराय दौरे से पहले जन सुराज की ओर से प्रशांत किशोर का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया है। इस पोस्ट में प्रशांत किशोर ने लोगों से अपील की है कि अगर उनकी पार्टी की ओर से बिहार विधान सभा चुनाव में किसी गलत आदमी को टिकट दे दिया जाता है और जनता को लगता है कि वोट नहीं देना चाहिए, तो वोट न दें। प्रशांत ने कहा कि यह हमारी पार्टी है जो कह रही है कि अगर किसी गलत आदमी को टिकट दे दिया जाता है।

संपादकीय

न्याय की धज्जियां उड़ाता बुलडोजर राज

बुलडोजरों की मदद से तोड़फोड़ 2023 में शुरू हुई थी पर वर्ष 2024 में गुजरात में बहुत अधिक कार्रवाइयां देखी गईं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को दादा के नाम से जाना जाता है पर उनके शासन काल में बुलडोजर राज को दादा का बुलडोजर कहा जाने लगा है। गुजरात में बुलडोजरों का मुख्य फोकस सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाने पर रहा है। दुनिया भर में निर्माण कार्यों के लिए बुलडोजरों का उपयोग किया जाता है लेकिन नए भारत में बड़े पैमाने पर अपराधियों, दंगाइयों या माफिया से जुड़े कहे जाने वाले लोगों के घरों और संपत्तियों को नष्ट करने के लिए विनाश के एक उपकरण के रूप में उनका उपयोग किया जा रहा है। ज्यादातर मामलों में लक्षित गरीब लोग होते हैं उनमें से कई अल्पसंख्यक समूहों से होते हैं और इस तरह बुलडोजर एक नए राजनीतिक उपकरण में बदल जाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने तत्काल न्याय के लिए एक असाधारण उपकरण के रूप में बुलडोजरों का उपयोग किया। इस प्रथा को अब प्रचलित किया जा रहा है। अन्य राज्य भी इसका अनुसरण कर रहे हैं। ताजा मामला गुजरात सरकार का है जिसने पहले से ही झुग्गी उन्मूलन के लिए कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं। ये स्लमों के पुनर्वास और पुनर्विकास हेतु विनियमन– 2010 अधिनियम के रूप में (शगुजरात स्लम पुनर्वास नीति– पीपीपी– 2013ज् ख्झुग्गीवासियों के पक्के घरों में पुनर्वास के लिए, और गुजरात किफायती आवास नीति– 2014 (शहरी गुजरात को झुग्गी मुक्त बनाने) आए थे जिसमें गुजरात राज्य में स्लम क्षेत्रों के सुधार तथा उनके विकास का प्रावधान है। ये सभी गुजरात सरकार और अहमदाबाद नगर निगम द्वारा घोषित आधिकारिक नीतियां हैं। अतिक्रमण के खिलाफ उठाए गए कदमों की एक श्रृंखला में हाल के दिनों में दो प्रमुख अभियानों में बुलडोजरों का उपयोग किया गया है। अप्रैल और मई 2025 में अहमदाबाद में, विशेष रूप से चंदोला झील क्षेत्र में घर तोड़े गए। अहमदाबाद शहर के दक्षिणी भाग में स्थित चंदोला झील एक अर्ध–सूखे झील का क्षेत्र है जो लगभग 109 हेक्टेयर भूमि को कवर करता है। यह आधिकारिक तौर पर अहमदाबाद नगर निगम के अंतर्गत आता है। झील पर अतिक्रमण कुछ किसानों द्वारा छोटे पैमाने पर फसल की खेती के साथ शुरू हुआ। गरीब परिवारों ने रहने के लिए धीरे–धीरे झील के किनारों पर कब्जा करना शुरू कर दिया और समय के साथ व्यापक क्षेत्र पर कब्जा किया गया। यहां के अधिकांश परिवार छोटे–मोटे व्यापार और विनिर्माण कार्यों में लगे हुए थे जो निर्माण कार्य, घरेलू काम, सब्जियां बेचने और अन्य दिहाड़ी काम करने वाले मजदूर थे। झील के एक छोटे से हिस्से पर, जिसे बंगला–वास के नाम से जाना जाता है, बांग्लादेशी प्रवासियों का कब्जा था। समय के साथ इस क्षेत्र ने छोटे स्थानीय क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधियों के एक पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित किया। कुछ लोगों ने कानून की सीमाओं को तोड़ा और स्थानीय गिरोहों को जन्म दिया। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा शुरू किए गए इस तोड़फोड़ से 7,000 से अधिक संपत्तियां प्रभावित हुई हैं जो ज्यादातर अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के चार दिन बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई हुई।

धरती का ख्याल रखना जरूरी

मायाराम

देशी बीज न केवल सौंदर्य से भरपूर हैं बल्कि स्वाद में भी बेजोड़ हैं। औषधि गुणों से सम्पन्न हैं और स्थानीय मिट्टी पानी और हवा के अनुकूल हैं। आखिर मनुष्य ने ही जंगलों से तरह–तरह की फसलों के गुणधर्मों की पहचान कर खेतों में उन्हें उगाया है और इसी के परिणामस्वरूप आज हम बीजों के मामले में समृद्ध हैं। लेकिन आज हमने देशी बीजों की संपदा खो दी है, इसी को संजोने व संवारने का प्रयास जन स्वास्थ्य सहयोग में किया जा रहा है। मौजूदा समय में पर्यावरण का संकट सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। पर्यावरण, का जो नुकसान हमने पिछले कुछ दशकों में किया है, वह इसके पहले सैकड़ों सालों में नहीं हुआ। जो नदियां सदियों से बहती रहीं, कुछ ही सालों में सूख गईं, जो धरती सबका पालन–पोषण करती रही, उसकी जीवनदायिनी क्षमता खतरे में है। मिट्टी–पानी का प्रदूषण हो रहा है। दो दिन पहले 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस था, यह हमें यह सोचने के लिए विवश करता है कि कैसे हम पर्यावरण को बचाए, कैसे उसका संरक्षण करें, आज के इस कॉलम में इस पर ही चर्चा करना उचित रहेगा, जिससे इस दिशा में हम कुछ मिलकर कर सकें। मैं यहां पर्यावरण किस तरह संकट में इसको बताने की कोशिश नहीं करूंगा, क्योंकि यह तो सर्वविदित है। हमारी सदानीरा नदियां प्रदूषित हो रही हैं, जंगल कम हो रहे हैं, खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो रही है, हवा प्रदूषित हो रही है, भूजल नीचे खिसक रहा है इत्यादि। बहुत ही ऐसे संकट आ रहे हैं, जो कुछ दशक पहले तक नहीं थे। लेकिन कई लोग कह सकते हैं, यह तो वैश्विक समस्या है, इसमें हम क्या कर सकते हैं। यह वैश्विक समस्या है पर इसका असर स्थानीय स्तर पर होता है। इसे कुछ हद तक स्थानीय स्तर पर कम किया जा सकता है। जैसे इस पर्यावरण दिवस की थीम है, प्लास्टिक प्रदूषण। हम देखते हैं कि हमारे शहर की नालियां, सड़कें प्लास्टिक कचरे से पटे पड़े हैं। यह दिन हमें इससे निपटने के लिए सामूहिक कार्रवाई करने के लिए संदेश देता है, प्रेरित करता है। मैं जब कभी ट्रेन की यात्रा करता हूं, एक चीज बहुत खटकती है, वह है रेल पटरियों के दोनों ओर पॉलीथीन, पानी की बोतलें बिखरी पड़ी दिखती हैं। जहां तक नजरें जाती हैं, यही दिखता है।

इसी तरह, सड़कों के दोनों ओर कचरा पड़ा रहता है। सब्जी, दूध या किराना सामान लेने के लिए पॉलीथीन का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे कचरा होता रहता है। शहरों व कस्बों में रोजाना कचरे की गाड़ी कचरा उठाकर ले जाती है। कर्मचारी इसके लिए मेहनत करते हैं। लेकिन दूसरे दिन उतना ही कचरा फिर हो जाता है। यह क्रम बना रहता है। यानी हमने कचरा संस्कृति को अपना लिया है। चाहे जितना ही कचरा साफ करो, कचरा पैदा होता ही रहेगा। यूथ एंड थ्रो (इस्तेमाल करो और फेंको) की संस्कृति ही कचरा संस्कृति है। हम कोई भी दुकान देखें, वहां छोटी छोटी थैलियां, पॉलीथीन पैक इत्यादि टंगे रहते हैं। इन सबके कारण हमारी नदियां, झीलें, तालाब सभी प्रदूषित हो रहे हैं। मिट्टी–पानी भी प्रदूषित हो रहा है।

हम लोग बचपन में देखते थे। कोई ज्यादा कचरा नहीं होता था। जो भी कचरा पैदा होता था, उससे जैव खाद बनाई जाती थी, जिससे खेतों की मिट्टी उर्वर बनती थी। गांवों में पशु होते हैं, गोबरकृगोमूत्र होता है, उससे गोबर खाद बनती थी। खेतों में अच्छी फसलें होती थीं। मुझे कई आदिवासी गांवों में जाने का मौका मिला है। उनके घर व गांव बहुत ही साफ सुथरे होते हैं। कुछ जगहों पर अब भी सरई पत्तों की पत्तल व दोने में खाना खाया जाता है। गाय उन पत्तों को खा लेती है। प्लेट का इस्तेमाल नहीं किया जाता, जिससे पानी की बचत होती है। यानी वहां कचरा पैदा नहीं होता। वे प्रकृति से उतना ही लेते हैं, जितनी उनको जरूरत है। इससे ज्यादा नहीं। इसी प्रकार, हमें मिट्टी–पानी, देसी बीजों के संरक्षण की अच्छी परंपराओं से सीखना चाहिए। संकर बीजों के आने से अधिकांश देसी बीज लुप्त हुए हैं। लेकिन अब भी कई जगहों पर किसान, समूह और स्वयंसेवी संस्थाएं देसी बीजों की खेती के संरक्षण व संवर्धन में लगे हैं। उत्तराखंड के बीज बचाओ आंदोलन ने इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है। इसके प्रणेता विजय जड़धारी हैं। उन्होंने मुझे बताया कि बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है,पर इसके अंतर्गत बारह अनाज ही नहीं बल्कि दलहन, तिलहन, शाक–भाजी, मसाले व रेशा शामिल हैं। इसमें 20–22 प्रकार के अनाज होते हैं।

इन अनाजों में कोदा (मंडुवा), मारसा (रामदाना), ओगल (कुट्टू), जोन्याला (ज्वार), मक्का, राजमा, गहथ (कुलथ), भट्ट (पारंपरिक सोयाबीन), रैयास (नौरंगी), उड़द, सुंटा, रगड़वांस, तोर, मूंग, भगंजीर, तिल, जख्या, सण (सन), काखड़ी इत्यादि।

संसद का विशेष सत्र बुलाना बहुत जरूरी

सुधीर

पहलगाम हत्याओं और सीमा पार से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों की व्यापक परिचालन योजनाओं के बारे में विस्तृत दस्तावेजीकरण की कमी से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का मामला और कमजोर हो गया है। जबकि घरेलू आबादी पाकिस्तान के इरादों के बारे में आश्वस्त हो सकती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय राय को आश्वस्त करने के लिए कहीं अधिक कठोर साक्ष्य और पारदर्शिता की आवश्यकता होती है। खून नहीं, बल्कि सिंदूर मेरी रगों में बह रहा है– प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द ऑपरेशन सिंदूर के बाद के अभियान की शुरुआत करने की उनकी खास शैली को दर्शाते हैं। देश के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के जवाब में वह या उनकी सरकार और कर भी क्या कर सकती थी। पारदर्शिता और आत्मनिरीक्षण इस सरकार की कभी खासियत नहीं रही। मोदी सरकार की विदेश नीति की रणनीति प्रधानमंत्री को केंद्रीय व्यक्ति के रूप में पेश करने पर बहुत ज्यादा निर्भर रही है, जो सुसंगत कूटनीति को आगे बढ़ाने के बजाय एक व्यक्तित्व पंथ को विकसित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व को विदेश नीति के अगुआ के रूप में स्थापित करने से पारंपरिक कूटनीतिक ज्ञान को उलट दिया गया है, और स्थापित कूटनीतिक परंपराओं से स्पष्ट रूप से यह अलग होने का संकेत है। ऐतिहासिक रूप से, भारत की विदेश नीति इसकी घरेलू नींव में निहित रही है– जिनमें शामिल हैं इसके जीवंत संसदीय लोकतंत्र का लचीलापन, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद से प्रेरित विविधता में एकता, और सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता। इन सिद्धांतों ने वह आधार बनाया जिसने राष्ट्रों के समुदाय में भारत की स्थिति को ऊंचा किया। समान नागरिकता पर आधारित विविधता में एकता भारतीय गणराज्य की एक परिभाषित पहचान रही है। दुख की बात है कि अब इस विरासत को कमजोर किया जा रहा है। छवि–केंद्रित, व्यक्ति– संचालित कूटनीति को व्यवस्थित और सिद्धांतबद्ध विदेश नीति के विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन यह दृष्टिकोण अस्थिर है – खासकर भारत जैसे देश के लिए, जिसका वैश्विक कद दशकों में बना है, जो उपनिवेशवाद–विरोधी राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में इसके विकास पर आधारित है। हिंदुत्ववादी ताकतों और आरएसएस के वैचारिक डीएनए का हिस्सा है कि वे खुद को इस विरासत से दूर रखें। पहलगाम हत्याकांड के बाद, सरकार को आखिरकार एक सर्वदलीय बैठक के दौरान यह स्वीकार करना पड़ा कि सुरक्षा चूक हुई थी। लेकिन यह स्वीकारोक्ति बहुत कम और बहुत देर से हुई। अब भी, सरकार उस चूक की प्रकृति और दायरे के बारे में स्पष्ट रूप से बताने में विफल रही है। सिंगापुर में सुरक्षा वार्ता के दौरान बोलते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने चार दिवसीय टकराव के दौरान विमान के नुकसान की बात स्वीकार की। हालांकि, उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया। इस तरह के अपर्याप्त स्पष्टीकरण विफलता की पूरी सीमा को बताने में विफल रहते हैं। मोदी सरकार के 11 साल के रिकॉर्ड – खासकर अनुच्छेद 370 को निरस्त करने – को मौजूदा संकट को देखते हुए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 370 को खत्म करने और विलय के साधन को आधार देने वाले ऐतिहासिक तथ्यों को खारिज करने से जम्मू और कश्मीर के भारतीय संघ में एकीकरण की विरासत कमजोर हुई है। इससे भी गंभीर बात यह है कि इसने जम्मू और कश्मीर के लोगों – खासकर घाटी में – द्वारा सीमा पार आतंकवाद का विरोध करने में निभायी गयी महत्वपूर्ण भूमिका को मिटा दिया है। पहलगाम की घटना के बाद यह बात एकदम स्पष्ट हो गयी है। घाटी भर में लोग हत्याओं के विरोध में सड़कों पर उतर आये, लेकिन जन एकता का यह शक्तिशाली प्रदर्शन, जो एक बहुत ही सकारात्मक घटनाक्रम है, सरकार द्वारा न तो स्वीकार किया गया और न ही इसकी सराहना की गयी। इसके बजाय, हमले में कश्मीरी लोगों को ही शामिल करने का प्रयास किया गया – जिससे सरकार की असली मंशा और सही वैचारिक रुझान का पता चलता है। संविधान में निहित लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को कायम रखने वाली सरकारों के द्विदलीय दृष्टिकोण की जगह अब गहरे ध्रुवीकरण ने ले ली है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रखा जा सकता। शांति की सच्ची इच्छा उद्देश्य की स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाले कार्यों में परिलक्षित होनी चाहिए। विदेश नीति और कूटनीति अलग–थलग प्रयास नहीं हैंय वे घरेलू नीतियों का विस्तार हैं। पिछले 11 वर्षों में हुए घटनाक्रम – जिसमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लोकतांत्रिक और अल्पसंख्यक अधिकारों का क्षरण शामिल है – को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासकर आज के परस्पर जुड़े, सूचना–संचालित वैश्विक परिदृश्य में। एक नागरिक अधिकार समूह की एक तथ्य–खोजी रिपोर्ट ने पहलगाम हमलों के बाद 184 मुस्लिम विरोधी घृणा अपराधों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें व्यापक रूप से मुसलमानों और विशेष रूप से कश्मीरियों को निशाना बनाया गया। ये घटनाएं लगातार जारी रहीं। पहलगाम हत्याओं और सीमा पार से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों की व्यापक परिचालन योजनाओं के बारे में विस्तृत दस्तावेजीकरण की कमी से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का मामला और कमजोर हो गया है।

.... विविध ....

सेहत सुधारने के लिए लेते हैं सप्लीमेंट्स? पर कहीं ये आपके दिल के लिए न बढ़ा दे मुश्किलें

अच्छी सेहत चाहते हैं तो इसके लिए डॉक्टर सबसे आसान फॉर्मूला बताते हैं– ऐसे आहार का सेवन करें जिससे शरीर के लिए जरूरी सभी पोषक तत्वों की पूर्ति हो सके। हालांकि मिलावट के इस दौर में शुद्ध और पौष्टिक चीजों का सेवन मुश्किल हो गया है, लिहाजा लोगों में विटामिन्स–मिनरल्स की कमी की शिकायतें बढ़ती जा रही हैं। डॉक्टर कहते हैं, पोषक तत्वों की कमी के कई प्रकार के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के नुकसान हो सकते हैं। शायद यही कारण है कि हाल के वर्षों में सप्लीमेंट्स की मांग तेजी से बढ़ी है। सप्लीमेंट्स का मतलब, दवाओं के माध्यम से विटामिन्स–मिनरल्स की पूर्ति करना। पर क्या आप जानते हैं कि ये सप्लीमेंट्स सभी के लिए फायदेमंद नहीं हैं। यदि आप बिना डॉक्टरी सलाह या जांच के, सप्लीमेंट्स का सेवन शुरू कर देते हैं और शरीर में इसकी अधिकता हो जाती है तो इसके कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। यहां तक कि ये आपको हार्ट का मरीज भी बना सकती है।

सप्लीमेंट्स का अत्यधिक हो सकता है नुकसानदायक

कई अध्ययन बताते हैं कि सप्लीमेंट्स का अत्यधिक सेवन शरीर के कई अंगों के लिए समस्याएं बढ़ाने वाला हो सकता है। इससे हृदय रोगों की आशंका भी बढ़ जाती है। आइए जानते हैं कि किन सप्लीमेंट्स की अधिकता के कारण शरीर को किस तरह से नुकसान होने का खतरा रहता है। अगली बार इन सप्लीमेंट्स को लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लीजिए।

विटामिन–डी और इसकी अधिकता के नुकसान

विटामिन–डी हड्डियों, प्रतिरक्षा प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पानी में घुलनशील विटामिन्स के विपरीत, विटामिन–डी वसा में घुलनशील होता है। इसका मतलब है कि यह आपके शरीर में जमा हो सकता है और इसकी अधिकता होने पर शरीर के लिए दिक्कतें बढ़ने लगती हैं। अगर आप लगातार इसका अधिक मात्रा में सेवन कर रहे हैं तो इससे रक्त में कैल्शियम के स्तर बढ़ सकता है। ये स्थिति समय के साथ, आपकी धमनियों को कठोर बना देती है जिससे दिल को रक्त पंप करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसका हृदय स्वास्थ्य पर कई प्रकार के गंभीर असर हो सकता है।

सप्लीमेंट्स का ओवरडोज

हड्डियों–मांसपेशियों की मजबूती के लिए पोटैशियम महत्वपूर्ण है, कई सप्लीमेंट्स में ये भरपूर मात्रा में पाया जाता है। हालांकि लंबे समय तक बिना शरीर की जांच के इसका सेवन किया जाए तो इसके कारण आपको हाइपरकेलेमिया का जोखिम होता है, जो घातक हो सकता है। सप्लीमेंट आमतौर पर 99 मिलीग्राम या 500 मिलीग्राम की गोलियों में आते हैं। कई उच्च खुराक वाली गोलियां लेने से आपके सीरम पोटैशियम का स्तर बहुत बढ़ सकता है। हाइपरकेलेमिया के कारण ब्रैडीकार्डिया (दिल की धड़कन धीमा होने) का खतरा रहता है जो काफी खतरनाक है।

ओमेगा–3 फैटी एसिड (फिश ऑयल)

ओमेगा–3 फैटी एसिड कई प्रकार से आपकी सेहत के लिए जरूरी है, ये हृदय रोगों से बचाने, एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ाने में मददगार माना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि लंबे समय तक ओमेगा–3 फैटी एसिड सप्लीमेंट्स का सेवन खून को बहुत पतला करके रक्तस्राव का जोखिम बढ़ देता है। दुर्लभ मामलों में, इस पोषक तत्व की अधिकता एट्रियल फेब्रिलेशन का कारण बन सकती है जिसमें दिल की धड़कन नियमित होने लगती है

और इससे हार्ट स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। इसलिए प्रतिदिन 1–2 ग्राम से अधिक मात्रा में इस पोषक तत्व का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। सप्लीमेंट आपके लिए मददगार माने जाते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा मात्रा में लेने से आपको नुकसान भी कर सकते हैं। इसलिए सोच –समझकर, सही मात्रा में और डॉक्टर की सलाह के साथ ही कोई भी सप्लीमेंट लें।

कम सामग्री में बनाएं इस तरह से आइसक्रीम

गर्मी के मौसम में हर कोई ठंडी–ठंडी चीजें खाना चाहते हैं, लेकिन ये जरूरी नहीं है कि आप हर वक्त बाजार से चीजें खरीदकर खा सकें। खासतौर पर बच्चों से बड़ों तक को इस मौसम में आइसक्रीम खाना पसंद होता है। पर, यदि आप बार–बार बाहर से आइसक्रीम लेकर खाएंगे तो इससे तबियत खराब होने का भी खतरा रहेगा। ऐसे में हम आपको बताएंगे, घर पर आइसक्रीम बनाने का सबसे आसान तरीका। हम आइसक्रीम बनाने की जो विधि आपको बताएंगे, उसके लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमारी बताई गई विधि को फॉलो करने के लिए आपको सिर्फ चार चीजों की जरूरत पड़ेगी।

घर पर आइसक्रीम बनाने का सामान

फुल क्रीम दूध – 2 कप
कंडेन्स्ड मिल्क – 1 कप
फ्रेश क्रीम – 1 कप
वेनिला एसेंस – 1 छोटा चम्मच

आइसक्रीम बनाने की विधि

इस आइसक्रीम को बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में कंडेन्स्ड मिल्क, फ्रेश क्रीम और दूध को अच्छे से फेंट लें। इसे आपको कुछ देर तक लगातार फेंटना है। अब उसमें वेनिला एसेंस डालें और फिर से मिक्स करें।

वेनिला एसेंस को डालने के बाद इसे अच्छे से मिक्स करें, ताकि इसका फ्लेवर आइसक्रीम में अच्छी तरह से आए। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इस मिश्रण को एक एयरटाइट डिब्बे में डालें।

अब इसे कम से कम तीन घंटों के लिए मोल्ड में डालकर फ्रीजर में रखें। तीन घंटे के बाद जब ये जम जाए तो इसे निकालें और फिर मिक्सी में ब्लैंड करें। एक बार ब्लैंड करने के बाद ये आइसक्रीम एकदम क्रीमी बनेगी।

ब्लैंड करने के बाद इसे फ्रीजर में दोबारा रख दें। इसके बाद आइसक्रीम मोल्ड को कम से कम 6–8 घंटे या रातभर फ्रिजर में रख दें। यदि आप इसे रातभर के लिए फ्रिज में रखेंगी तो ये अच्छी तरह से जम जाएगी।

विदेश में ये पांच हिंदू मंदिर हैं बहुत प्रसिद्ध, नहीं जा सकते तो तस्वीरों से करें दर्शन

हिंदू धर्म की समृद्ध परंपरा और आस्था केवल भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विदेशों में भी देखने को मिलती है। दुनिया के कई देशों में भव्य और अद्भुत हिंदू मंदिर हैं जो न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति और वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण भी है। ये मंदिर विदेश में बसे भारतीयों और स्थानीय लोगों के बीच भारतीय संस्कृति का जीवंत स्वरूप बने हुए हैं। विदेश यात्रा के दौरान आप भी इन मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकते हैं। यहां की भव्यता और आध्यात्मिक शांति आपका मन मोह लेगी। हालांकि अगर आप विदेश यात्रा नहीं कर सकते हैं तो भी विदेशों में स्थित सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों के दर्शन तस्वीरों के माध्यम से कर सकते हैं। तस्वीरों से ही आपको मंदिर की भव्यता का अनुभव मिल सकता है। आइए जानते हैं भारत के बाहर दूसरे देशों में स्थित प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों के बारे में और तस्वीरों के जरिए दर्शन भी करें।

अंगकोर वाट, कंबोडिया

कंबोडिया के अंगकोट वाट मंदिर का इतिहास 12वीं शताब्दी से जुड़ा है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। बाद में यह बौद्ध मंदिर में बदल गया। अंगकोट वाट को दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। मंदिर परिसर 400 एकड़ में फैला है। मंदिर की नक्काशी जटिल और उभरी हुई आकृतियां इसे खास बनाती हैं। मंदिर की मूल वास्तुकला और मूर्तिकला आज भी हिंदू धर्म की महिमा को दर्शाती है। मंदिर की दीवारों पर महाभारत और रामायण की कहानियां उकेरी गई हैं। अंगकोट वाट मंदिर की भव्यता सूर्योदय के समय सबसे अद्भुत दिखाई देती है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भी हिंदू मंदिर है। यहां राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर है जो कि भगवान शिव को समर्पित है। पशुपतिनाथ मंदिर पवित्र बागमती नदी के किनारे स्थित है। यह हिंदू धर्म के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव की लगभग एक मीटर ऊंची चार मुंह वाली प्रतिमा स्थापित है।

मुरुगन मंदिर, ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में मुरुगन टेंपल है। भगवान मुरुगन को पहाड़ों का देवता माना जाता है। यह भव्य मंदिर न्यू साउथ वेल्स के पहाड़ों पर स्थित है। इसे सिडनी मुरुगन नाम से भी जाना जाता है। सिडनी में रहने वाले हिंदू धर्म के लोगों के लिए इस मंदिर के लिए काफी आस्था है।

तनाह लोट मंदिर, बाली

बाली इंडोनेशिया का एकमात्र हिंदू बहुल प्रांत है। तनाह लोट दुनिया भर में सबसे प्रसिद्ध और प्राचीन हिंदू मंदिरों में से एक है। यह मंदिर एक चट्टान के ऊपर बना है और बाली के हिंदुओं के लिए एक पवित्र धार्मिक स्थल है। यह बाली के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है।

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेश्वर गांव में मुन्नेस्वरम मंदिर स्थित है जो कि श्रीलंकाई हिंदुओं का सबसे पुराना मंदिर है। मंदिर परिसर में पांच मंदिर हैं, जो भगवान शिव और देवी काली को समर्पित हैं।

मंदिर का इतिहास रामायण काल से संबंधित है। माना जाता है कि रावण का वध करने के बाद भगवान राम ने इसी जगह पर भगवान शिव की अराधना की थी। मंदिर दक्षिण भारतीय द्रविड़ शैली से निर्मित है और श्रीलंकाई हिंदुओं के लिए पवित्र स्थान है। मंदिर की दीवारों पर बनी मूर्तिकला एक अलग ही आध्यात्मिक अनुभव देती है।

शिकायती प्रार्थना पत्रों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तथा पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ की उपस्थिति में तहसील शाहगंज के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शिकायती प्रार्थना पत्रों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। चन्द्रावती देवी, इन्द्रावती, द्रौपदी के द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना–पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि ग्राम मड़वा मोहिउद्दीनपुर पर अंगुली तहसील शाहगंज की भूमि अधिग्रहण कर लिया गया है और प्रतिकर भुगतान हेतु प्रार्थीनीगण को नोटिस भी दी गयी थी, आवश्यक अभिलेख जमा करने के बावजूद भी 01 वर्ष बीत जाने के उपरान्त भी मुआवजा अभी प्राप्त नही हुआ है और सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि 15 जून 2025 तक प्रकरण का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उर्मिला निवासी डीह अशरफाबाद ने प्रार्थना पत्र दिया कि पड़ोसी के द्वारा मकान बनाने में विवाद उत्पन्न किया जा रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार शाहगंज और थाना प्रभारी के द्वारा राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा अवरोधो को खत्म कराते हुए समस्या का निदान करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार जिलाधिकारी के समक्ष राजस्व विभाग, भूमि विवाद, पथरगड्डी, पेंशन आदि से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसपर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए ससमय निस्तारण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग समन्वय कर लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण कराये, उन्होंने सभी से अपील किया कि अपनी माँ के नाम 01 पौधा अवश्य लगाये। इसके साथ ही सभी थानों में भी वृक्षारोपण कराया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान फरियादियों के लिए ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष 203 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, मौके पर 18 शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, उप जिलाधिकारी राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

तीन सिपाही निलंबित, 20 हजार वसूली और अनुशासनहीनता से जुड़ा मामला

बलिया, संवाददाता। जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्र पर तैनात जवानों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करने अनुशासनहीनता बरतने पर एसपी ओमवीर सिंह ने रविवार को तीन जवानों को निलंबित कर दिया। इसमें बैरिया थाना पर तैनात आरक्षी मनीष गोड़ व प्रियव्रत गोड़ को जनसेवा केंद्र के संचालक की पिटाई करने व उसे छोड़ने के नाम पर 20 हजार रुपये की अवैध वसूली करने व नगरा थाना पर तैनात मुख्य आरक्षी अजय त्रिपाठी को एक व्यक्ति के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर निलंबित किया। दोकटी थाना क्षेत्र के भगवानपुर निवासी रोहित गुप्ता गांव में जन सेवा केंद्र का संचालन करते हैं। क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति का मोबाइल चोरी हो गया। भगवानपुर निवासी टिंकू खरवार ने मोबाइल खोजने के नाम पर दो हजार रुपया मांगा। ऑनलाइन पैसा भेजने के नाम पर टिंकू ने जनसेवा केंद्र संचालक रोहित का नंबर दे दिया। रोहित किसी का पैसा आने पर दो रुपया सैकड़ा लेता है। मोबाइल मालिक ने पैसा भेजने के पूर्व उक्त नंबर पर फोन किया तो रोहित ने पैसा किसको देना है, उसका नाम पूछा नाम न बताने पर पैसा भेजने से मना कर दिया।

कार्रवाई से हड़कंप

इस बीच, पुलिस ने मोबाइल मालिक ने रोहित के मोबाइल पर पैसा भेजने की बात कही। जिसपर कस्बा चौकी पर तैनात दो जवान मामले की बिना जांच पड़ताल के पांच जून को रोहित को पकड़ कर पुलिस चौकी पर लाए। मोबाइल चोर का साथी बताते हुए पूछताछ के दौरान हिब्स पर लाठी व डंडे से पिटाई की। रोहित ने शुक्रवार को एसपी से मिलकर पूरे मामले की जानकारी देते हुए उक्त दोनों सिपाहियों पर बिना जांच के पिटाई करने व छोड़ने के नाम पर 20 हजार रुपया अवैध वसूली का आरोप लगाया। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी बैरिया को जांच का जिम्मा सौंपा। सीओ की रिपोर्ट के बाद एसपी ने दोनों जवानों को निलंबित कर दिया।

पूछताछ के लिए बैठाए व्यक्ति से दुर्व्यवहार करने पर निलंबित

बलिया। नगरा थाना पर नियुक्त मुख्य आरक्षी अजय त्रिपाठी ने पूछताछ के लिए थाना कार्यालय में बैठाए गए व्यक्ति से अभद्र भाषा का प्रयोग करने व कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही के आरोप में एसपी ओमवीर सिंह ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एएसपी दक्षिणी कृपाशंकर ने बताया कि एक प्रार्थना पत्र की जांच के लिए नीतीश चौहान को पूछताछ के लिए थाना कार्यालय में बैठाया गया था। उसी दौरान आरक्षी ने अभद्र भाषा का प्रयोग करने की शिकायत मिली थी। इस मामले की जांच सीओ रसड़ा विनोद गुप्ता की जांच के बाद कार्रवाई की गई।

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी में दो ट्रक की टक्कर में चालक की मौत

वाराणसी, संवाददाता। लोहता थाना क्षेत्र के लोहरापुर गांव के सामने रिंग रोड फेज दो पर शनिवार की रात में 2.30 बजे ओवर टेक करने की चक्कर में दो ट्रक टकरा गए। हादसे में एक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, दूसरे घायल चालक और खलासी को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। थानाध्यक्ष निकिता सिंह ने बताया कि शनिवार की रात में 2.30 बजे सूचना मिली कि लोहरापुर गांव के सामने रिंग रोड फेज टू पर दो ट्रक आपस में टकरा गए हैं। मौके पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल चालक सुरेंद्र यादव (45) पुत्र घरभरन यादव ग्राम मोलनापुर नत्थपट्टी कप्तानगंज (आजमगढ़) को अस्पताल भेजा गया। यहां उसे डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल चालक दिवाकर यादव (40) पुत्र चंद्रभान यादव ग्राम जैतपुर थाना (अंबेडकरनगर) तथा खलासी सूरज गौंड (30) पुत्र राजेंद्र ग्राम सुरीश थाना शाहगंज (जौनपुर) घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। मृतक चालक के घर सूचना दे दी गई है। दोनों ट्रक हरहुआ से अकेलवा जा रहे थे।

मासूम...लापता, तालाब में डूबने की आशंका

गोरखपुर, संवाददाता। पिपराइच कस्बे में अपने मां–पिता के साथ घूमने ननिहाल आई मासूम लापता हो गई। शनिवार की देर शाम अचानक घर से खेलते–खेलते बाहर निकली और लापता हो गई। परिजनों ने पहले आस–पास के घरों में मासूम की खोजबीन की। पूछताछ करने के बाद भी मासूम के नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद मासूम की तलाश में पुलिस के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी लग गई हैं। अपने माता– पिता के साथ पिपराइच कस्बे में अपने ननिहाल आई तीन वर्षीय मासूम नित्या पुत्री जोगिंदर शनिवार की शाम से लापता है।

बेकाबू पिकप ने पहले अधेड़ को कुचला

मऊ, संवाददाता। घोसी कोतवाली क्षेत्र के चीनी मिल के पास रविवार की सुबह सात बजे बेकाबू पिकप ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद जैसे लोगों ने उसे रोकने की कोशिश तो आरोपी चालक बैक कर भागने के प्रयास में सड़क किनारे से जा रही एक किशोरी को रौंद दिया। हादसे के बाद दोनों घायलों को मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस सीसीटीवी कैमरे से पिकप की तलाश में जुटी है। जानकारी अनुसार घोसी कोतवाली क्षेत्र के दौलतपुर निवासी जगतू (50) पुत्र स्वर्गीय रामपत नींबू–पानी बेचने का काम करता था। इसके लिए वह रविवार की सुबह रोज की तरह साइकिल से बर्फ की सिल्ली लेने के लिए घोसी आ रहा था। अभी वह चीनी मिल के पास पहुंचा था कि दोहरीघाट की तरफ से आ रहे बेकाबू पिकप ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही आस पास के लोगों ने पिकप को पकड़ने के लिए घेराबंदी जैसे ही शुरू किया।

25 लाख रुपए के 101मोबाइल फोन पुलिस ने किए बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। साइबर क्राइम द्वारा साइबर फ्रॉड के 18 ब्यक्तियो के खाते में कुल बीस लाख छः हजार चार सौ नब्बे रुपये वापस कराते हुए 101 गुमशुदा मोबाइल को बरामद कर मोवाइल स्वामियों के सुपुर्द किया गया है।जिसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम ने अप्रैल व मई माह में भिन्न–भिन्न थाना क्षेत्र से पीड़ितों के गुम हुए 101 मोबाइलो को दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखण्ड, बिहार, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश राज्यों व जनपन जौनपुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बरामद किया है। बरामद मोबाइलों में मुख्यतः आईफोन, वन प्लस, सैमसंग, वीक रेडमी, ओप्पो व रियलमी कम्पनी की मोबाइल है, जिनका बाजार मूल्य लगभग 25 लाख रुपये है। सोमवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बरामद मोबाइल के बारे में अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि ये सभी फोन गुम हुए थे। जिन्हें साइबर सेल ने सफलता पूर्वक बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर चलाए का रहे अभियान के तहत आज इतनी बड़ी संख्या में मोबाइल बरामद किए गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव एवं सीओ सिटी देवेश सिंह की उपस्थिति में मोबाइल स्वामियों को उनका फोन वितरित किया गया। अपना खोया मोबाइल पाकर सभी मोबाइल धारक काफी संतुष्ट दिखे। इसके साथ ही साइबर क्राइम थाना द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतो के आधार पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अप्रैल माह में अब तक साइबर फ्राड के पीडित 38 व्यक्तियों के खातो में कुल बीस लाख छः हजार चार सौ नब्बे वापस कराये गए।

पिकअप से टकराई कार, 14 लोग घायल, रिटायर्ड रेलकर्मी की मौत

मिर्जापुर, संवाददाता। मिर्जापुर के कछवां थाना क्षेत्र के सबेसर गांव के सामने अनियंत्रित जायलो कार लूना मोपेड को बचाने के चक्कर में पिकअप से टकरा गई। लूना भी चपेट में आ गई। दोनों चार पहिया वाहन में 20 लोग सवार थे। दुर्घटना में एक की मौत हो गई। 14 लोग घायल हैं। जानकारी के अनुसार, भदोही जनपद के गोपीगंज थाना क्षेत्र से पिकअप में दस लोग सवार थे। ये लोग चुनार दवा लेने गए थे। वापस कछवां की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान कछवां से चुनार की तरफ तेज गति से जा रही जाइलो में भी सात लोग सवार थे। दोनों वाहन अनियंत्रित होकर एक दूसरे में टक्कर मार दिए। इसी दौरान लूना भी चपेट में आ गई। लूना चालक कछवां थाना क्षेत्र के बिदापुर गांव निवासी रेलवे से सेवानिवृत्त सीनियर टेक्नीशियन गौरी शंकर (71) पुत्र बैजनाथ जैसवार को अनियंत्रित जायलो कार ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों में मचा कोहराम

घटना के बाद सभी घायलों को कछवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। पीकअप सवार घायलों में पुष्पा सोनी गोपीगंज भदोही, शिताबी पत्नी लल्लू, राजेश पुत्र लल्लू, मीना पत्नी संतोष कुमार, इसरावती पत्नी नारायण, फुलेरा देवी पत्नी देवनारायण बिंद, नगीना देवी पत्नी हेमंत, सीता पत्नी विजयभान, रीना पत्नी महेंद्र के अलावा निर्मला पत्नी राम अवध शामिल हैं। पिकअप सभी सवार घायलों का स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य में उपचार कराया गया, जिनमें पांच घायलों को गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। रेफर होने वालो में खिताबी देवी, इसरावती, पुष्पा देवी, नगीना, राजेश है। दुर्घटना के पास जाइलो कार में सवार सात लोग में चार घायल हुए, जो इलाज के लिए निजी चिकित्सालय जलालपुर गांव चले गए। इनमें इरफान पुत्र मुख्तार, मुशकियावन पुत्र शहाबुद्दीन, जयबुननिशा पत्नी साहिद तथा बबलू सभी गोपालपुर हैं। ये लोग जलालपुर गांव में शादी में शामिल होने आ रहे थे। इरफान भी गंभीर रुप से घायल है। स्थानीय लोगों ने सूचना दिया तो मौके पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस ने सभी को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले गए।

संक्षिप्त खबरें

ऑटो में ढाई लाख के गहने रखा पर्स छूटा

गोरखपुर, संवाददाता। आईटीएमएस की मदद से एक महिला का ऑटो में छूटा पर्स मिल गया। पर्स में करीब 2.50 लाख रुपये के गहने व नकदी थे। शनिवार को एसपी ट्रैफिक ने महिला को बुलाकर पर्स सौंप दिया। पर्स लेने पहुंचे महिला के पति ने ट्रैफिक पुलिस को धन्यवाद दिया। जानकारी के मुताबिक, शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए आईटीएमएस (इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेटमेंट सिस्टम) के तहत सड़क पर सीसीटीवी कैमरे और एनाउंस सिस्टम लगाए गए हैं। इस व्यवस्था से ऑटो व ई–रिक्शा में छूटे हुए सामान, बैग, मोबाइल फोन या गुमशुदा को खोजने में भी काफी मदद मिल रही है। शनिवार को बलिया से सैनिक विहार कॉलोनी नंदानगर में रहने वाली सुमन ट्रेन से गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंचीं। गेट नंबर एक से ऑटो किराए पर लेकर घर निकल पड़ीं। ऑटो से उतरने के दौरान उनका पर्स छूट गया। घर पहुंचने के बाद याद आया तो सुमन ने ट्रैफिक पुलिस से मदद की गुहार लगाई। ट्रैफिक पुलिस ने पर्स की तलाश शुरू की। इसके लिए आईटीएमएस की मदद ली गई। इससे ऑटो और चालक की पहचान हो गई। पर्स बरामद कर पुलिस ने महिला के पति को बुलाकर पर्स सौंप दिया। पर्स में गहने, मोबाइल और नकद रुपये सबकुछ मौजूद थे। महिला के पति ने ट्रैफिक पुलिस को धन्यवाद दिया। एसपी ट्रैफिक संजय कुमार ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस हर दिन आईटीएमएस के जरिए लोगों की मदद कर रही है। लोगों की शिकायत पर आईटीएमएस की मदद से एनाउंस कर पुलिस को सक्रिय कर दिया जाता है। साथ ही लोगों से भी अपील की जाती है। लोग भी आगे आते हैं और सामान पुलिस के हवाले कर देते हैं।

ईदगाह में अदा की गई बकरीद की नमाज, शुरू हुआ कुर्बानी का दौर

प्रयागराज, संवाददाता। ईद उल अजहा (बकरीद) का त्योहार शनिवार को परंपरागत तरीके से मनाया जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में स्थित ईदगाह और मस्जिदों में मुकर्रर समय पर नमाज अदा गई। नए परिधान में ईदगाह पहुंचे मुस्लिमों ने नमाज अदा कर देश की अमन और खुशहाली की खुदा से दुआ मांगी। इसके बाद शुरू हुआ कुर्बानी का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। यह त्योहार तीन दिनों सोमवार तक चलेगा।

बकरीद पर मस्जिदों में सुबह छह से 10:30 बजे तक हुई विशेष नमाज

शनिवार को इस्लामिक माह जिलहिज्जा की दसवीं तारीख को बकरीद (ईद–ए–कुर्बां या ईद–उल–अजहा) देश भर में मनाया गया।

इस दौरान प्रयागराज की सभी मस्जिदों में तय समय पर विशेष नमाज अदा की गई। करैली स्थित मस्जिद अय्यूब अंसारी में सबसे पहले सुबह छह बजे और चक जीरो रोड स्थित शिया जामा मस्जिद में 10:30 बजे आखिरी विशेष नमाज हुई।

महाकुंभ हादसे में पत्नी की मौत, चार माह बाद भी पति को नहीं मिला मुआवजा

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे के पीड़ितों को मुआवजे की अदायगी में सरकारी लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि सरकार नागरिकों की 'ट्रस्टी' है, केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं। पीड़ितों तक उनका लाभ पहुंचाना भी राज्य का दायित्व है। मुआवजा नीति बनी है तो उसका लाभ पीड़ितों को बिना किसी देरी के मिलना चाहिए। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति संदीप जैन की खंडपीठ ने बिहार निवासी उदय प्रताप सिंह की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। दरअसल, याची का दावा है कि महाकुंभ में भगदड़ के दौरान उसकी पत्नी की मौत हो गई थी। राज्य सरकार ने घोषणा की, लेकिन चार महीने बीतने के बाद भी मुआवजा न मिलने पर उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिका पर राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि याची मुआवजे का दावा करेगा तो उस पर विचार किया जाएगा। इस पर नाराज कोर्ट ने कहा कि यह सरकार का असंवेदनशील रवैया है। सुदूर क्षेत्रों व राज्यों से आए नागरिकों से दावा करने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। सरकार ने मुआवजा देने की योजना बनाई है तो उसका लाभ सभी पीड़ितों को स्वतः दिया जाना चाहिए।

महाकुंभ के दौरान सीएमओ, मेडिकल कॉलेज समेत सभी सरकारी अस्पतालों से भर्ती व मृतकों का ब्योरा तलब

हाईकोर्ट ने प्रयागराज के सीएमओ, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, एसआरएन अस्पताल, टीबी सप्रू, महिला अस्पताल समेत कई सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों को पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी किया है। उनसे महाकुंभ के दौरान अस्पतालों में भर्ती व मृतकों का तिथिवार ब्योरा हलफनामे संग तलब किया है।

सरकार पेश करे मुआवजे के दावेदारों की सूची, निस्तारण का भी हाल बताएं

कोर्ट ने राज्य सरकार से महाकुंभ हादसे में पीड़ित परिवार की ओर से मुआवजे का दावा करने वालों की सूची पेश करने का आदेश भी दिया है। साथ ही कहा है कि 18 जुलाई को उन दावों के निस्तारण का ताजा हाल भी बताएं

बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट सौंप दिए शव...कोर्ट हैरान

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि न तो अस्पताल की ओर से कोई स्पष्ट दस्तावेज दिया गया और न ही बताया गया कि शव कहां से आया... अस्पताल से या कहीं और से। कोर्ट यह जान हैरान रहा कि बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट (अटॉप्सी रिपोर्ट) व विवरण के शव परिजनों को सौंप दिए गए। यह भी नहीं बताया गया कि शव महाकुंभ क्षेत्र के किस हिस्से से लाया गया, किस डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया और कब की घटना है। कोर्ट ने कहा कि यह लापरवाही दर्शाती है कि मेला प्रशासन और चिकित्सा तंत्र में गंभीर समन्वय की कमी थी।

सरकारी और निजी अस्पतालों की भूमिका पर भी सवाल

रिकॉर्ड के अनुसार कुंभ मेले के दौरान एक केंद्रीय अस्पताल और 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कार्यरत थे। 305 बेड की व्यवस्था सरकारी अस्पतालों और प्राइवेट नर्सिंग होम में की गई थी। शव विच्छेदन के लिए एसआरएन और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम हाउस चिह्नित थे। कोर्ट ने कहा कि इतने प्रबंधों के बावजूद एक महिला की मौत का कोई रिकॉर्ड नहीं, यह गंभीर लापरवाही है। न्याय और मुआवजा हर पीड़ित का हक है। पीड़ित परिवारों को मुआवजे के लिए भटकना न पड़े, यह सरकार की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है।

धारदार हथियार से युवक पर ताबड़तोड़ हमला

सोनभद्र, संवाददाता। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के विनोद मोड़ पर दिघुल गांव निवासी 21 वर्षीय युवक सरगम कुमार पर कुछ युवकों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। उसे मरा समझकर गांव के पास एक गड्ढे में फेंक दिया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के पीछे शादी समारोह में हुए विवाद को कारण बताया जा रहा है। दिघुल गांव निवासी सरगम शनिवार रात विनोद मोड़ स्थित एक बरात में शामिल होने गया था। देर रात तक वह घर नहीं लौटा। बरात में ही मौजूद उसके छोटे भाई ने घर लौटकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन पूरी रात सरगम की तलाश में जुटे रहे। रविवार सुबह करीब आठ बजे गांव के पास स्थित एक गड्ढे में सरगम खून से लथपथ अचेत अवस्था में पड़ा मिला। शरीर पर धारदार हथियार से किए गए गहरे जख्म थे। आनन–फानन परिजनों ने एंबुलेंस को बुलाया और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी ले गए।

पुलिस ने की कार्रवाई

यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, सरगम के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें हैं। करीब 25 से 30 टांके लगाए गए हैं। युवक की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। लोगों के मुताबिक सरगम नशे की हालत में था और बरात में उसका कुछ लोगों से विवाद हुआ था। बात इतनी बढ़ गई कि घराती पक्ष के कुछ युवकों ने उस पर टांगी से हमला कर दिया। घायल युवक के बड़े भाई श्रवण कुमार ने बताया कि छोटे भाई पर टांगी से हमला किया गया और उसे मरा समझकर गड्ढे में फेंक दिया गया। कोतवाल मनोज सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में रेलकर्मी के साथ धोखाधड़ी

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर शाहपुर इलाके के यांत्रिक कारखाना के एक कर्मचारी के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बिना बैंक से लोन लिए रेलकर्मी को 1.36 लाख रुपये का नोटिस मिल गया। पुलिस ने नहीं सुनी तो पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर शाहपुर पुलिस ने राधिका कॉम्प्लेक्स स्थित एचडीएफसी बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक, गीता वाटिका के यूनियन बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक, लीगल नोटिस भेजने वाले एडवोकेट प्रशांत कुमार, संतोष कुमार निगम समेत छह के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। शाहपुर पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के राप्तीनगर फेज एक स्थित गणेशपुरम निवासी संजय कुमार श्रीवास्तव गोरखपुर यांत्रिक कारखाना में कार्यरत हैं। उन्होंने प्रार्थना पत्र में लिखा है कि 8 सितंबर 2013 को एचडीएफसी बैंक से उन्हें 1.36 लाख रुपये लोन का नोटिस मिला। उन्होंने नोटिस का जवाब दिया कि उनका एचडीएफसी बैंक में खाता नहीं है तो कैसे उनके नाम से लोन हो गया। इसके बाद भी बैंक वाले चार बार लीगल नोटिस भेजा। वह नोटिस का जवाब देते रहे। आरोप है कि इस दौरान बैंक की रिकवरी टीम भी उनके घर पहुंचकर लोन जमा करने के लिए डराया धमकाया भी था। वह बार–बार दुहाई देते रहे कि जिस बैंक से लोन लेने की बात की जा रही है उनका कभी उस बैंक में खाता ही नहीं रहा है। आखिर कैसे लोन हो गया। स्थानीय थाने में शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने कोर्ट की शरण ली। थानाध्यक्ष ने नीरज कुमार राय ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

फर्जी कागजात और हस्ताक्षर से 2012 में लिया गया था लोन

रेलकर्मी संजय कुमार श्रीवास्तव के नाम से 2012 में मेडिकल कॉलेज रोड के राधिका कॉम्प्लेक्स स्थित एचडीएफसी बैंक से 1.36 लोन की राशि चेक के जरिये गीता वाटिका स्थित यूनियन बैंक शाखा में जमा कर निकाले गए थे। रेलकर्मी ने बताया कि उनका इन दोनों बैंकों में कभी भी खाता नहीं रहा है। संजय ने बताया कि बैंक में छानबीन की तो पता चला कि आधार कार्ड फर्जी लगाए गए थे। दोनों गारंटर भी फर्जी थे।

रेलकर्मी संजय श्रीवास्तव ने बताया कि कोई जालसाज बैंक कर्मियों से मिलकर उनके नाम पते का गलत इस्तेमाल कर लोन निकाल लिया है। लोन 1.36 लाख रुपये का था। पांच लाख रुपये तक का नोटिस चार बार भेजा गया था। बार–बार नोटिस आने पर स्थानीय पुलिस से मदद की गुहार लगाई। पुलिस ने जब कोई पहल नहीं की तो उसने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को पुलिस ने चार छह के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। आधार और पैन नंबर के बारे में किसी को न बताएं। साथ ही दुकान पर फोटो कॉपी कराते समय ध्यान रखें कि कोई प्रति वहां छूटने न पाए। जागरूकता से ही इस तरह की जालसाजी से बचा जा सकता है।

लुटेरी दुल्हन' गैंग का पर्दाफाश, चार महिलाओं समेत सात गिरफ्तार

प्रयागराज, संवाददाता। शादी के नाम पर लाखों की रकम ऐंठने और नकदी–गहने लूटकर भागने वाले 'लुटेरी दुल्हन' गैंग का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मामले में खुल्दाबाद पुलिस ने चार महिलाओं समेत गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। हाल ही में शिकार हुए राजस्थान के युवक की शिकायत पर गैंग का पर्दाफाश हुआ। आरोपियों में राजस्थान का एक युवक भी शामिल है। गिरोह के कब्जे से 35 हजार नकद और छह जाली आधार कार्ड बरामद किए गए हैं।

पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के जिला अलवर, थाना अकबरपुर निवासी गोपाल गुर्जर ने बताया कि वह अपने बेटे महावीर गुर्जर के लिए रिश्ता खोज रहे थे। इसी दौरान बेटे की मुलाकात श्रीराम गुर्जर से हुई जो रिन्जवास बहतुकला (थालागढ़) जिला अलवर राजस्थान का रहने वाला है। उसने बेटे का अच्छा रिश्ता कराने का भरोसा दिलाया। साथ ही उनकी बात नेहा नाम की महिला से कराई। उसने उसे कुछ युवतियों की तस्वीरें भेजी, जिसमें एक युवती की तस्वीर पसंद आने पर पांच जून को शादी की तारीख तय की गई। इसके लिए वह बेटे और दो रिश्तेदारों संग पांच जून को प्रयागराज आए। यहां सिविल लाइंस स्थित चित्रगुप्त मंदिर में प्रिया पटेल नाम की युवती से बेटे का विवाह संपन्न हुआ।

डा.राजेश मौर्या चुने गए लायंस क्लब जौनपुर गोमती के निर्विरोध अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लायंस क्लब जौनपुर गोमती की चुनावी सभा चुनाव अधिकारी धनंजय पाठक की अध्यक्षता में नगर के एक होटल में संपन्न हुई। जिसमें आगामी सत्र 2025–26 के लिए अध्यक्ष,सचिव, कोषाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन किया गया। अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद गुप्ता ने आगामी सत्र के अध्यक्ष के लिए डा राजेश मौर्या का प्रस्ताव पेश किया जिसका सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। चुनाव अधिकारी के निर्देश पर डा राजेश मौर्या ने अपने संक्षिप्त कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें खुशबू गुप्ता को सचिव, नूपुर सिंह को कोषाध्यक्ष,हसनैन कमर दीपू को उपाध्यक्ष प्रथम, शिवकुमार साहू को उपाध्यक्ष द्वितीय, तथा गौरव श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष तृतीय मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी धनंजय पाठक द्वारा उपरोक्त सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बैठक में उपस्थित डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मनीष गुप्ता ने सभी पदाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डा राजेश जी के नेतृत्व में क्लब सेवा कार्यों के माध्यम से एक नया मुकाम हासिल करेगी। जोन चेयरपर्सन धीरज गुप्ता ने पूरी कार्यकारणी को बधाई देते हुए पूरे जोश व उत्साह के साथ सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश मौर्य ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ हमें यह जिम्मेदारी सौंप गई है मैं उसे पर खडा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा और आप सभी सदस्यों के सहयोग से वर्ष पर्यंत सेवा कार्य चलता रहेगा।बैठक का संचालन सचिव नवीन मिश्रा एवं धन्यवाद व आभार कोषाध्यक्ष डा रश्मि मौर्या द्वारा ज्ञापित किया गया। बैठक में वीरेंद्र सिंह,प्रतिमा गुप्ता,डॉ सरला गुप्ता, संतोष साहू, देवेश गुप्ता,अनिल अग्रहरि,अनिल कुमार पांडे, दिनेश जायसवाल,सुनील कश्यप, मंगला साहू, शाहिद हुसैन गुड्डू,डा नरेंद्र यादव आदि प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

लाभार्थीप्रद योजनाओं का लाभ गरीबी रेखा के सबसे निचले पायदान के गरीब एवं असहाय लोगों को समय से उपलब्ध करायें – सौम्या गुरूरानी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने अवैध भूमि कब्जों की शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिये कि गांवों में सरकारी एवं अन्य व्यक्तियों की भूमि पर किये गये सभी अवैध कब्जों को चिन्हित करें और तहसीलदार एवं पुलिस बल की उपस्थित में सभी भूमि को कब्जा मुक्त करायें और अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्व भूमाफिया एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही करें। मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित जिलास्तरीय अधिकारियों से कहा कि सरकार लाभार्थीप्रद योजनाओं का लाभ गरीबी रेखा के सबसे निचले पायदान के गरीब एवं असहाय लोगों को समय से उपलब्ध करायें।

उन्होने कहा कि अधिकारी अपने अधीनस्थों के साथ ग्रामों का भ्रमण कर अपनी विभागीय योजनाओं से ग्रामवासियों को जागरूक करें। पेंशन संबंधी शिकायतों पर उन्होने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये जिन निराश्रित महिलाओं, वृद्धों एवं दिव्यांगों की पेंशन किसी कारण बन्द हो गयी है उसकी जांच कराये और पात्रता के आधार पर पेंशन बहाल कराये। एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा, तहसीलदार सचीन्द्र शुक्ला, डीडीओ कमलेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी, बीडीओ, सीडीपीओ एवं थानाध्यक्ष आदि उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी द्वारा किसानों को नि:शुल्क वितरित किया गया बीज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा रविवार को धर्मापुर क्षेत्र पंचायत के सभागार में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत आयोजित किसान गोष्ठी का निरीक्षण किया गया। जिसमें किसानों की समस्याओं की जानकारी लेते हुए उन्हें वैज्ञानिक विधि से खेती करने का सुझाव दिए गए। जिलाधिकारी ने 5 किसानों को ढैचा बीज, 5 किसानो को मक्का बीज, 25 किसानों को उर्द, मूँग एवं श्री अन्न के निःशुल्क मिनीकिट बीज वितरित किया। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से सम्बन्धित आधुनिक कृषि तकनीकों एवं जलवायु परिवर्तन प्रभावरोधी कृषि पद्धतियों की जानकारी कृषकों को प्रदान करने हेतु शासन के निर्देश पर 29 मई 2025 से 12 जून 2025 के मध्य संचालित होने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान–2025 को जनपद में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में केवीके, तथा प्रदेश सरकार के कृषि, इफको, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई / नलकूप एवं लीड बैंक मैनेजर /सीडीएम नाबार्ड संस्थाओं के अधिकारी / कर्मचारी प्रशिक्षक की भूमिका में उपस्थित होकर शासन की किसानोन्मुखी योजनाओं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, इन्टीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम, कृषि ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किसानों के बीच उन्नत उत्पादन प्रौद्यौगिकियों जैसे–बीज उपचार, जैव उर्वरकों का प्रयोग, उन्नत बुवाई पद्धतियां, प्राकृतिक खेती की जागरुकता के लिये जानकारी उपलब्ध करायें। जिसमें इस प्रणाली से होने वाले लाभ एवं शासन की नीतियों के बारे में कृषक जागरूक हो सकें। कार्यक्रम में कृषकों को आई.एन.एम., आई.पी.एम., संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी, उन्नत सिंचाई पद्धतियां, कृषि निवेश व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में किसानों को जागरुक किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त किसानों को फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर अवशेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करायी जायेगी। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया।

पत्रकार पर झूठी एफआईआर के विरोध में प्रदेशभर में सौंपे जाएंगे ज्ञापन

देश की उपासना

धनन्जय विश्वकर्मा। जौनपुर। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार, पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में प्रदेशव्यापी ज्ञापन अभियान चलाया जाएगा। बताया गया कि 2 जून 2025 को बांदा जनपद में परिषद के युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्री नीरज निगम को रात्रि में पुलिस द्वारा फोन पर बुलाकर बिना किसी वैध कारण अथवा पूर्व विवाद के झूठे मुकदमे में फंसा दिया गया। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को पत्रकारों की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के अधिकार पर सीधा हमला माना जा रहा है। इस घटना के विरोध में परिषद द्वारा 10 जून 2025 दिन मंगलवार को प्रदेशभर में जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है। जौनपुर जनपद में यह ज्ञापन कार्यक्रम जिलाध्यक्ष श्री तामीर हसन ष्शीबूष की अगुवाई में प्रातः 10 बजे आयोजित किया जाएगा। परिषद के पदाधिकारियों ने सभी तहसील अध्यक्षों एवं पत्रकार साथियों से अपील की है कि वे अपनी टीम सहित उक्त कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करें तथा पत्रकार सुरक्षा के इस आंदोलन को मजबूती प्रदान करें। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि पत्रकार उत्पीड़न के मामलों में शीघ्र न्यायोचित कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

शहर मे अवैध रूप से संचालित हो रहे दर्जन निजी चिकित्सालय व क्लीनिक

अयोध्या। सीएमओ सुशील कुमार का चेकिंग अभियान महज दिखावा साबित हो रहा है।उनका चेकिंग अभियान ऑपरेशन किलकारी के तहत जिले के कई सीएचसी केंद्रों तक ही सिमट कर रह गया है।जबकि अगर केवल शहर में ही देखा जाए तो कई दर्जन अधिक छोटे बड़े कई ऐसे निजी चिकित्सालय बिना किसी डर के संचालित हो रहे हैं। यही दशा क्लीनिक तथा झोलाछाप डॉक्टरों की भी है।जो स्वास्थ्य विभाग द्वारा तय किए गए मानक पर खड़े नहीं उतर रहे हैं।इन पर सीएमओ सुशील कुमार का ध्यान नहीं जाता हुआ दिखाई दे रहा है।जिसका विरोध अभी 2 दिन पूर्व ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन अयोध्या के पदाधिकारियों ने भी किया था।देखा जाए तो अयोध्या जिले में दो दर्जन से अधिक सीएचसी केंद्र हैं।और एनेस्थीसिया के नाम पर महज 4 से 5 तक ही जिले में चिकित्सकों की तैनाती है। अब इससे यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब जिले में कुल चार से पास एनेस्थीसिया चिकित्सक हैं तो ऑपरेशन किलकारी अभियान कहां तक सफल साबित होगा।सीएचसी पर तैनात चिकित्सकों का भी मानना है जिसके चलते गंभीर रूप से पीड़ित महिलाओं को जिला चिकित्सालय या महिला चिकित्सालय के साथ–साथ मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर के लिए रेफर करना पड़ता है।ग्रामीण क्षेत्र की तो छोड़िए शहर में ही छोटे–बड़े कई ऐसे निजी चिकित्सालय, क्लीनिक तथा झोलाछाप चिकित्सकों का क्लीनिक स्थापित है जो स्वास्थ्य विभाग के मानक पर खड़े नहीं उतर रहे हैं।शहर के नाका,साकेत पुरी कॉलोनी, रायबरेली रोड,नियांवा,जिला महिला चिकित्सालय के सामने,डीएम आवास,सिविल लाइन,देवकाली, वजीरगंज सहित कई ऐसे मोहल्लों के अलावा गली कूचे हैं जहां पर निजी चिकित्सालय से लेकर क्लीनिक तथा झोलाछाप डॉक्टर बिना किसी डर के संचालित हो रहे हैं।यहां कई ऐसे अस्पताल हैं जहां पर एंबुलेंस को तो छोड़िए बाइक तक जाने की जगह नहीं रहती है। जिसके चलते मरीजों को रेफर होने के बाद कुछ दूर तक परिजनों की सहायता से एंबुलेंस तक आना पड़ता है।कई ऐसे अस्पताल है जहां पर अग्निशमन विभाग के रहमों करम पर ना तो वहां पर किसी तरह का अग्निशमन यंत्र का अभाव है।इसके अलावा ना ही कोई पार्किंग। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुशील कुमार ने बताया शीघ्र ही इनके खिलाफ भी शहर में मानक पर ना खड़े उतरने वाले निजी चिकित्सालय क्लीनिक तथा झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ अभियान चलाया जायेगा।विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडे ने बताया शीघ्र ही प्राधिकरण के क्षेत्र में आने वाले ऐसे निजी चिकित्सालयों पर कार्यवाही की जाएगी जो नक्शे के विपरीत निर्माण कराए हुए हैं।

25 लाख रुपए के 101मोबाइल फोन पुलिस ने किया बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। साइबर क्राइम द्वारा साइबर फ्रॉड के 18 ब्यक्तियो के खाते में कुल बीस लाख छः हजार चार सौ नब्बे रुपये वापस कराते हुए 101 गुमशुदा मोबाइल को बरामद कर मोवाइल स्वामियों सुपुर्द किया गया है।जिसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम ने अप्रैल व मई माह में भिन्न–भिन्न थाना क्षेत्र से पीड़ितों के गुम हुए 101 मोबाइलो को दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखण्ड, बिहार, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश राज्यों व जनपन जौनपुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बरामद किया है। बरामद मोबाईलों में मुख्यतः आईफोन, वन प्लस, सैमसंग, वीक रेडमी, ओप्पो व रियलमी कम्पनी की मोबाइल है, जिनका बाजार मूल्य लगभग 25 लाख रुपये है। सोमवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बरामद मोबाइल को अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि ये सभी फोन गुम हुए थे। जिन्हें सायबर सेल ने सफलता पूर्वक बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सायबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर चलाए का रहे अभियान के तहत आज इतनी बड़ी संख्या में मोबाइल बरामद किए गया है। अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव एवं सीओ सिटी देवेश सिंह की उपस्थिति में मोबाइल स्वामियों को उनका फोन वितरित किया गया। अपना खोया मोबाइल पाकर सभी मोबाइल धारक काफी संतुष्ट दिखे। इसके साथ ही साइबर क्राइम थाना द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतो के आधार पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अप्रैल माह में अब तक साइबर फ्राड के पीडित 38 व्यक्तियों के खातो में कुल बीस लाख छः हजार चार सौ नब्बे वापस कराये गए।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में हुई मारपीट, आठ लोग हुए घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के उत्तरगावा गांव में दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर रविवार को जमकर मारपीट हुई।मारपीट में खूब लाठी डंडे चले।इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों से कुल आठ लोग घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिलाचिकित्सालय भिजवाया। ऊक्त गांव निवासी छोटेलाल निषाद और ओम प्रकाश निषाद के बीच काफी पुरानी रंजिश चली आ रही है। दोपहर को छोटे लाल व ओम प्रकाश के परिवार के बीच गाली गलौज होने लगी।झड़प शुरू हो गई।उसके बाद दोनों तरफ से लाठी डंडे चलने लगे। इस खूनी संघर्ष में एक पक्ष से भोथू निषाद उम्र45 वर्ष, ओम प्रकाश निषाद उम्र 48 वर्ष, जागृति उम्र 20 वर्ष, रंजना उम्र 22 वर्ष, चंदा उम्र 20 वर्ष व दूसरे पक्ष से छोटेलाल उम्र 60 वर्ष, दीपक उम्र 27 वर्ष, अमित निषाद उम्र 26 वर्ष घायल हो गए। वही इस घटना में भोथू, ओम प्रकाश, जागृति, दीपक और छोटे लाल का सिर फट गया। इसी दौरान एक पक्ष ने घटना की सूचना थाने पर दिया।

दो गुमटी की दुकानों में लगी आग, एक लाख का नुकसान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वाराणसी–लखनऊ नेशनल हाईवे के किनारे स्थित दो गुमटी की दुकानों में शनिवार देर रात आग लग गई। देखते ही देखते दोनों दुकानें जलकर राख हो गईं। इनमें एक जनरल स्टोर और दूसरी फल की दुकान थी। पीड़ित दुकानदारों ने आरोप लगाया है कि किसी अज्ञात दबंग ने उनकी दुकानों में जानबूझकर आग लगाई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पीड़ितों द्वारा पुलिस को तहरीर दी गई है। दुकानदारों के अनुसार इस आगजनी की घटना में करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। इस दौरान दुकान में आग लगने का वीडियो भी किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।इस मामले में रविवार को जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने बताया कि मामला दर्ज किया है वायरल वीडियो की जाँच की जा रही हैं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी जा रही हैं आग कैसे लगी इसकी जानकारी लिया जा रहा है।

प्रदेश सरकार कृषकों की आय दोगनी करने हेतु प्रतिबद्ध है - राम पाल वर्मा

हरदोई (वीरेश श्रीवास्तवध्ए के सक्सेना) उपनिदेशक कृषि ने बताया है कि विकास खण्ड बेहन्दर के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि रामपाल वर्मा जी, विधायक, बालामऊ द्वारा दीज प्रज्जवलन करके एवं कृषक रेखा दीक्षित, नीतू, रामकली, सतीश को निःशुल्क उर्द बीज मिनीकिट एवं रामश्री, चन्द्रकुमारी, सरोजनी, निर्मला को निःशुल्क मूंग बीज मिनीकिट तथा जीत बहादुर, रामजीवन को पी०एम० सम्मान निधि प्रशस्ति पत्र एवं कैलाश पुत्र राधेश्याम को रोटावेटर अनुदान प्राप्ति का प्रमाण पत्र वितरित करते हुये किया गया। मुख्य अतिथि रामपाल वर्मा जी, विधायक, बालामऊ द्वारा उक्त मौके पर कृषकों को सम्बोधित करते हुये कहा गया कि प्रदेश सरकार कृषकों की आय दोगनी करने हेतु प्रतिबद्ध है। कृषक भाई कृषि एवं अन्य सम्बद्ध विभागों से नवीन कृषि तकनीकी जानकारी प्राप्त कर अपनी लागत कम करते हुये उत्पादन एवं आय बढ़ा सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में विनीत कुमार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी द्वारा कृषकों को श्री अन्न (मिलेट्स) की बुवाई के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा कृषकों को श्री अन्न की फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट तथा उनकी प्राकृतिकध्जैविक विधि से नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गयी। डा0 दिनेश कुमार मौर्य, पशु चिकित्सा अधिकारी ने कृषकों को बताया कि श्री अन्न पशु चारा, खाद्य, ईंधन, दवाईया एवं अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों के रुप में उपयोग किया जाता है। जयराम सिंह, से०नि० उप परियोजना निदेशक, आत्मा द्वारा कृषकों को धान, मक्का, अरहर, मूंग आदि की खेती हेतु बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई जल आदि कृषि निवेशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने किसानों को धान, मक्का, बाजरा, अरहर, मूंग आदि खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों, उनकी बुवाई की विधियों, जल प्रबंधन एवं जैविक खेती के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में कृषि विभाग के समस्त कर्मचारी एवं काफी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे। अतः कार्यक्रम के अन्त में उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, सदर, हरदोई महोदय द्वारा आये हुये किसानों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया।

उक्त के अतिरिक्त विकासखण्ड सण्डीला के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में भी कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अमित गुप्ता, ब्लाक प्रमुख सण्डीला द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया तथा 17 कृषकों को बाजरा मिनीकिट वितरित की गई।

उक्त कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियोंध कर्मचारियों द्वारा किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने के लिये प्रोत्साहित किया गया कर्मचारियों द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उक्त कार्यक्रम के मौके पर कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों सहित भारी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे।

पीडीए विचारधारा ही नहीं आंदोलन है, इसे एकजुटता से ही कामयाब बनाना है – राकेश मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जौनपुर की मासिक बैठक आज 11 बजे दिन सांसद जौनपुर कार्यालय शुक्ला ट्रांसपोर्ट की गली नईगंज में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिला महासचिव आरिफ हबीब ने बैठक में प्रदेश से आए प्रपत्र एवं एजेंडे से सदन को अवगत कराया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व की मंशानुरूप मतदाता सूची का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेकर बूथ स्तर पर काम करना आवश्यक है।

उन्होंने कहाकि सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर पर पीडीए चर्चा कार्यक्रम आयोजित कर रिपोर्ट जिला इकाई को जरूर दें। जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि जिस तरह से लगातार पीडीए समाज का उत्पीड़न किया जा रहा है अब पीडीए समाज को जागरूक एवं एकजुट होना आवश्यक हो गया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आगामी 2027 की सफलता के लिए जी जान से जुटकर अनुशासन के साथ कड़ी मेहनत करने का आवाहन किया। पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पीडीए मतलब पीड़ित, दुखी और अपमानित है और अब पीडीए समाज जागरूक होकर अपमान का बदला लेगा। पीडीए आंदोलन को धार देने के लिए पूरे प्रदेश में पीडीए समाज को जागरूक करने के क्रम में राजीव रत्न मौर्य ने भी अपने ओजस्वी विचार व्यक्त किया। बैठक को पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री संगीता यादव, पूर्व प्रमुख रमापति यादव, उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल हीरालाल विश्वकर्मा महेंद्र यादव नैपाल, राजेंद्र यादव टाइगर, उमाशंकर पाल, लाल मोहम्मद राईनी, जिला सचिव गण राजदेव पाल, कमलेश यादव, निजामुद्दीन अंसारी, रत्नाकर चौबे, विधानसभा अध्यक्ष गण रामजतन यादव, वीरेंद्र यादव, रामू मौर्य एडवोकेट, नंदलाल यादव, राम अकबाल यादव, सूर्यभान यादव, महासचिव रामयश यादव, पवन कुमार मंडल, फ्रंटल के अध्यक्ष गण दिलीप प्रजापति, आनंद गुप्ता, अशोक नायक, गुड्डू सोनकर, लक्ष्मीशंकर यादव, अजहर रहमान, हरिश्चंद प्रभाकर, प्रेमशंकर यादव, दीपक विश्वकर्मा, आदि ने संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत किए जाने का संकल्प लिया।

बीकापुर तहसील मे सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में तहसील बीकापुर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।तहसील बीकापुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता ग्राम कटारी विकासखण्ड बीकापुर द्वारा राशन में बच्चों के नाम जोड़ने की शिकायत की थी, जिस पर जिलाधिकारी ने सप्लाई इंस्पेक्टर बीकापुर को नाम जोड़ने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता ग्राम करौंदी विकासखण्ड तारून द्वारा चकरोड पटवाने की शिकायत की थी,जिस पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी तारून को कृत कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी क्रम में शिकायतकर्ता ग्राम भदार खुर्द बुजुर्ग विकासखण्ड तारून द्वारा चकमार्ग की शिकायत की गयी थी, जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार कार्यवाही करने तथा शिकायतकर्ता ग्राम पुरुषोत्तमपुर विकासखण्ड तारून ने अवैध कब्जा व चकरोड पाटने की शिकायत की थी जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम बीकापुर को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा तहसील बीकापुर में सभी पटलों से सम्बंधित प्रपत्र देखे। सम्पूर्ण समाधान दिवस बीकापुर में आज कुल 143 शिकायतें प्राप्त हुई,जिनमें से 16 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।सम्पूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 गौरव ग्रोवर, उपजिलाधिकारी बीकापुर विकास धर दुबे,जिला पूर्ति अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी ओपी मिश्रा,डी0पी0आर0ओ0, तहसीलदार व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।